FOUR ELEPHANTS IN A P&G CAR

Ferdinando Frega - Nando the Scribe



Gillettenarrative.com

पी एंड जी की कार में चार हाथी

जिलेट नैरेटिव को प्रकाशित हुए अभी एक ही साल हुआ था।

कि फ़ोन बजा।

नंबर ने शक की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी। कोड प्लस वन। अमेरिका। घर से कोई मेरे बारे में जानना चाहता था।

“हैलो। नमस्कार। मिस्टर फ्रेगा?”
“जी, कहिए।”

“मैं ऐना हूँ। सिनसिनाटी से, पी एंड जी से।”
“किसकी तरफ़ से?”

और मैं जवाब देता हूँ: देखिए, मेरे बेटे की पहले शादी होनी बाक़ी है, फिर बच्चे होंगे, और तब मैं अपने थोक वाले ग्राहक को ऑर्डर दूँगा। उम्मीद है पैम्पर्स गर्ल मँगवाऊँगा — ताकि पक्का हो जाए कि बेटी ही पैदा हो। मैं सीधे कंपनी से नहीं ख़रीदता — मेरी उतनी हैसियत नहीं। न डिस्प्ले के लिए शेल्फ़ में जगह।

वह हँसने लगती है। मैं भाँप लेता हूँ कि उसे मुझ जैसे किसी की उम्मीद नहीं थी।

फिर झटपट बताती है कि वह सीईओ की सेक्रेटरी है। कि क्या मेरे पास एक छोटी-सी बातचीत के लिए वक़्त है और वह उनसे मेरी बात कैसे कराए।

पर वह भारतीय हैं। भारत से। अगर मुझे ठीक याद है, तो तीन भाषाएँ बोलते हैं।

“बात कराइए। देखते हैं क्या चाहते हैं।”

“हैलो। नमस्कार, फ्रेगा। मैं मिस्टर जे. बोल रहा हूँ। कैसे हैं आप?”
“ठीक हूँ, प्रेसिडेंट साहब। और आप, सब कैसा चल रहा है?”
“ठीक, शुक्रिया। यहाँ भी वही।”

“कहिए, प्रेसिडेंट साहब। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?”

“लेकिन अभी मेरे पास बस 70 डॉलर हैं। अगर आपको उधार चाहिए — तो इसी रक़म के भीतर रहिए।”

वह मुस्कुराते हैं। और मुझे तसल्ली देते हैं। ऐसा कुछ नहीं होगा। कम से कम फ़िलहाल।

“सुनिए, फ्रेगा। आपने साल भर से ऊपर पहले एक साइट बनाई — जिलेट नैरेटिव — जहाँ आप नैरेटिव उत्पाद, ऑडियो और ट्रेलर मुफ़्त बाँटते हैं। आपने जो मुझे समर्पित किया, वह मैंने पढ़ा। लेकिन मेरे सहकर्मियों ने मुझे बताया है कि पढ़ने वाले सिर्फ़ हम तीन नहीं हैं। काफ़ी ज़्यादा हैं।”

“हम एक अरब पार कर चुके हैं। और अभी तो बस शुरुआत है। और चलते-चलते आपने वेब पर हमारी जिलेट वाली सारी खोजें अपने नाम कर ली हैं। अगर हम बाज़ार में कोई नया उत्पाद उतारना चाहें, तो हमें आपसे कहना पड़ेगा कि अपनी साइट के भीतर कुछ बैनर लगा दें।”

“तो, क्या करें, फ्रेगा?”

“प्रेसिडेंट साहब। सबसे पहला काम — जैसा किसान कहा करते थे — यह पक्का करना है कि बेटी पैदा हो। इस तरह हम ज़्यादा उपभोक्ता पक्के करते हैं। ज़्यादा मुनाफ़ा। और लाभांश।”

“बाक़ी फिर देखेंगे। रही बात बैनर की — कोई दिक़्क़त नहीं। मैं मुफ़्त में कर दूँगा। मैं अपनी माँ से पैसे नहीं लेता।”

“मेरी फ़िक्र मत कीजिए। मैं माँ जिलेट के मिज़ाज पर जीता हूँ। वह कभी हाथ नहीं छोड़ती।”

“मैं सोच रहा था,” प्रेसिडेंट कहते हैं, “कि आपसे मिलने आऊँ। और दस्तख़त किया हुआ काग़ज़ का डॉलर साथ लाऊँगा। वही जिसे आपने इतनी मेहरबानी से पूरी दुनिया में मशहूर कर दिया। और वह मोतदिला सैंडविच खाऊँगा जिसके लिए आपने मुझे इतना ललचा दिया — जबकि मैंने उसे कभी चखा तक नहीं।”

“वह घोड़े का मांस है, प्रेसिडेंट साहब। अगर आपके धर्म में चलता है — तो बहुत बढ़िया। वरना ’nduja से काम चलाएँगे। कालाब्रिया की तीखी मिर्च का पेस्ट।”

“अच्छा। इससे पहले कि आप उस जहाज़ में चढ़ें — मेरे पास आपके लिए एक भारतीय पहेली है।”

“मान लीजिए आपको चार हाथी एक शहर से दूसरे शहर ले जाने हैं। और उन्हें एक छोटी कार में बिठाना है — पी एंड जी का किफ़ायती मॉडल, क्योंकि हमें पैसे बचाने हैं। आप उन्हें कहाँ बिठाएँगे?”

“हम्म। फ्रेगा। दो आगे की सीटों पर। और दो पीछे।”

“शुक्रिया, प्रेसिडेंट साहब।

आप वह फ़्लाइट पकड़ सकते हैं।”

“आपका स्वागत करके ख़ुशी होगी।”

फर्दिनांदो